

06.08.25

पञ्जावली पेशा इरी जायीं ह्यं जायीं दु  
वलील हाजि नवी । त्वी छिपल भावान  
हिलारि गरी कोर उप रखिल नवी  
उनामे से पुडराग अहमा हाजरी उनम  
पेशी मे खालि छिया जाला छे पञ्जावली  
लिठिल ठीक रखेवा से इकरी  
निठिय हुना भा गवा